# LITTERA PUBLIC SCHOOL

**CLASS 1** **पाठ-7** **HINDI**

## आई होली

'आई होली' कविता के माध्यम से कवि हमें होली जैसे पवित्र त्योहार के महत्व एवं उत्साह को समझाना चाहते हैं। वे कहते हैं कि होली साल में एक बार आने वाला त्योहार हैं जो प्रत्येक वर्ष आती है। जब भी यह त्योहार आता है तो सभी का मन खुशियों से भर जाता है और अपने जो रूठ गए थे , वह भी मान जाते हैं। इस दिन रंगों में सराबोर कोई भी पहचाना नहीं जाता है। सभी तरफ बस रंगों की बौछार होती है। जो एक पल पहले सूखा होता है दूसरे ही पल रंगों से भीग गीला हो जाता है। कहीं भी रंगों की तंगी अर्थात कमी नहीं रहती है। सभी लाल ,पीले, हरे और नारंगी रंग आपस में मिल चुके होते हैं।

कठिन शब्द:-

१) अनूठा

२) गोरे -काले

३) देखे- भाले

४) त्योहार

५) नारंगी

६) बरस -बरस

1. लिखो- गाओ–

नीचे दिए गए शब्दों की सहायता से रिक्त स्थान भरिए और नई कविता लिखिए—

देखा- भाला, नारंगी, झोली , नीला , रूठा

आजा मेरी प्यारी होली
खुशियों से भर मेरी झोली ।
आया है त्योहार अनूठा
मित्र मेरा क्यों मुझसे रूठा ।
गोरा आया बनकर काला ।
समझ ना आया देखा -भाला ।।
सूखा कुर्ता हो गया गीला ।
हरा हो गया , था जो नीला ।।
मुझे कहाँ रंगों की तंगी
लाल बना दूंगा नारंगी ।।